14

महान दार्शनिक 'सुकरात'

पाठ - 14

महान दार्शनिक 'सुकरात'

विधा - जीवनवृत्त

सोचो और बताओ -

प्र. 1. सुकरात की दृष्टि में सच्चा धर्म क्या था ?

उ. सुकरात की दृष्टि में सच्चा धर्म था - अपनी बुद्धि से काम लेना और अपने प्रति, परिवार के प्रति, समाज और देश के प्रति कर्तव्य का पालन करना।

प्र. 2. सुकरात के विचारों को किस - किस ने आगे बढ़ाया ?

उ. सुकरात के विचारों को उसके शिष्य प्लेटो (अफ़लातून) ने और उसके बाद प्लेटो के शिष्य (अरस्तू) ने आगे बढ़ाया।

प्र. 3. सुकरात के जीवन का अंत कैसे हुआ ?

उ. सुकरात के जीवन का अंत मृत्युदंड के रूप में ज़हर का प्याला पिलाकर हुआ।

प्र. 4. सुकरात नवयुवक श्रोताओं से क्या कहता था ?

उ. सुकरात नवयुवक श्रोताओं से कहता था कि धर्म की राह पर चलो, ज्ञान की कमाई करो ताकि सत्य के दर्शन हो सकें।

प्र.5. सुकरात का असली नाम क्या था ?

उ. सुकरात का असली नाम 'सोक्रेटीज' था।

लिखित -

प्र.3. सुकरात बात की गहराई-सच्चाई तक कैसे पहुँच जाता था ?

उ. सुकरात एक ऊँची जगह पर खड़े होकर किसी विषय को लेकर प्रश्न पूछता फिर जो उत्तर आता, उस पर सवाल-जवाब का एक सिलसिला शुरु हो जाता और सच्चाई सामने आ जाती थी।

प्र.4. कैसे मालूम होता है कि सुकरात सीधा-सादा जीवन जीना पसंद करता था ?

उ. सुकरात सीधा-सादा जीवन ही जीना पसंद करता था। यह इस बात से पता चलता है कि जब सुकरात ने विनम्रतापूर्वक एक विदेशी राजा द्वारा लालच देकर अपने दरबार में रखने के आमंत्रण को यह कहकर मना कर दिया कि मैं अपने देश में ही सुखी हूँ। दो वक्त की रोटी मिल जाती है और झरने के पानी से प्यास बुझ जाती है।

N.J.

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

(क) एथेंस के विद्वान सुकरात से ईर्ष्या क्यों करते थे?

एथेंस के विद्वान सुकरात से ईर्ष्या इसलिए करते थे क्योंकि सुकरात ने उन विद्वानों की पोल खोल दी थी।

(ख) सुकरात एथेंस के नौजवानों का चहेता कैसे बन गया?

सुकरात एथेंस के नौजवानों का चहेता इसलिए बन गया क्योंकि नवयुवक सुकरात की बहस से प्रभावित होते थे।

(ग) सुकरात बात की गहराई-सच्चाई तक कैसे पहुँच जाता था?

सुकरात एक ऊँची जगह पर खड़े होकर किसी विषय को लेकर प्रश्न पूछता फिर जो उत्तर आता, उस पर सवाल-जवाब का एक सिलसिला शुरु हो जाता और

(घ) कैसे मालूम होता है कि सुकरात सीधा-सादा जीवन जीना पसंद करता था? सच्चाई सामने आजाती थी।

(ङ) सुकरात ने जो कुछ कहा है, उसमें आपको कौन-सी बात सबसे अच्छी लगी और क्यों?

सुकरात की सबसे अच्छी बात मुझे यह लगी कि अपने प्रति, परिवार के प्रति, समाज और देश के प्रति कर्तव्य का पालन करना ही सच्चा धर्म है।

(च) 'आत्मा ही अमर सत्य है।' यह विचार किस भारतीय महापुरुष ने किस अवसर पर प्रकट किया था?

यह विचार भगवान श्रीकृष्ण ने उस समय प्रकट किया था जब अर्जुन दोनों सेनाओं के बीच खड़े अपने ही संबंधियों से युद्ध करने के लिए तैयार नहीं था।

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

(क) **सुकरात** [✓] **पोरस** [ ] के अनुसार देश व्यक्ति से बढ़कर है, राजा से भी बढ़कर।

(ख) **देशभक्त** [✓] **देशद्रोही** [ ] होना हमारा पहला कर्त्तव्य है।

(ग) **धर्म** [✓] **अधर्म** [ ] की राह पर हमें चलना चाहिए।

(घ) ज्ञान की कमाई **सत्य दर्शन** [✓] **असत्य दर्शन** [ ] से ही संभव है।

(ङ) **सुकरात** [✓] **पुरु** [ ] एक महान दार्शनिक थे।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(क) हमें अपने देश, अपनी मातृभूमि से प्रेम होना चाहिए।

(ख) हमें 'सादा जीवन, उच्च विचार' का पालन करना चाहिए।

(ग) सत्य की रक्षा करना ही हमारा कर्त्तव्य है।

(घ) आत्मा ही एक अमर सत्य है।

(ङ) सुकरात आजीवन ज्ञान का उपासक रहा।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

जीवन - मानव जीवन अमूल्य है।

निर्लोभ - हमें निर्लोभ होकर जीवन जीना चाहिए।

कर्त्तव्य - मातृभूमि की रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य है।

उपस्थित - हमें सदैव कक्षा में उपस्थित रहना चाहिए।

प्रशंसक - सभी हमउम्र सुकरात के प्रशंसक थे।

भाषा कौशल

1. निम्नलिखित शब्दों के मूलशब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो-

जैसे- दार्शनिक — दर्शन + इक

भ्रमित - भ्रम + इत

सांसारिक - संसार + इक

व्यक्तित्व - व्यक्ति + त्व

प्रभावित - प्रभाव + इत

विनम्रता - विनम्र + ता

पूजनीय - पूज् + अनीय

2. 'ता' प्रत्यय लगाकर पाँच शब्द बनाओ-

जैसे- महान + ता – महानता

एकता विनम्रता शालीनता

भावुकता वीरता

3. विराम का अर्थ है, 'रुकना'। नीचे हिंदी में प्रचलित विराम चिह्नों के नाम दिए गए हैं। उनके सामने विराम चिह्न लगाओ-

अल्प विराम	,	योजक चिह्न	-
अर्द्ध विराम	;	उद्धरण चिह्न	' '
पूर्ण विराम	।	विवरण चिह्न	:–
प्रश्नवाचक चिह्न	?	कोष्ठक चिह्न	( )
विस्मयादिबोधक चिह्न	!	संक्षेपसूचक चिह्न	.